भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1524

20 सितम्बर, 2020 को उत्तरार्थ

विषय: खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि के लिए कदम

1524. श्री सुधीर गुप्ताः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि;

पिछड़े राज्यों में खाद्यान्न के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेंद्र सिंह तोमर)

सरकार 28 राज्यों तथा 2 संघ राज्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) का कार्यान्वयन कर रही है जिसमें पिछड़े राज्य तथा जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख के संघ राज्य क्षेत्र शामिल हैं।

व्यक्तिगत कृषि स्तर पर मृदा उर्वरता एवं पादकता को वापिस लाने तथा किसानों में आत्मविश्वास लाने हेतु कृषि स्तरीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि करने में सतत तरीके से क्षेत्र विस्तार तथा उत्पादकता वृद्धि के माध्यम से खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि करने के उद्देश्य से स्कीम का कार्यान्वयन किया जा रहा है। राज्य सरकारों के माध्यम से किसानों को निम्न सहायता प्रदान की जा रही है: अद्यतन फसल उत्पादन तथा संरक्षण प्रौद्योगिकियां, फसलन प्रणाली आधारित प्रदर्शन, नई जारी की गई किस्में/संकर/दबाव सहिष्णु/जलवायु अनुकूल/जैव-युक्त किस्मे, समेकित पोषक तत्व एवं कीट प्रबंधन तकनीक, उन्नत कृषि उपकरण/औजार/संसाधन संरक्षण मशीनरी एवं जल बचत उपकरण तथा प्रत्येक फसल मौसम के दौरान प्रशिक्षणों के माध्यम से किसानों की क्षमता का निर्माण।

सरकार राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) की एक उप-स्कीम पूर्वी भारत में हरित क्रांति लाना (बीजीआरईआई) का भी कार्यान्वयन कर रही है जिसका उद्देश्य 7 राज्यों नामत: असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल वाले पूर्वी भारत के प्रचुर मात्रा में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन संपन्न क्षेत्रों में चावल आधारित फसलन प्रणाली की उत्पादकता को सीमित करने वाली बाधाओं को दूर करना है।

इसके अतिरिक्त, देश के कम उत्पादकता वाले जिलों तथा चावल परती क्षेत्रों में दलहनों के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए एनएफएसएम के तहत विशेष कार्यक्रमों का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इसके अलावा देश के महत्वाकांक्षी जिलों के किसानों को दलहनों की बीज मिनी-किट का वितरण किया जा रहा है।

****